भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 5235

सोमवार, 4 अप्रैल, 2022/14 चैत्र, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

महेश्वर और मंडलेश्वर में पर्यटन को बढ़ावा

5235. श्री गजेन्द्र उमराव सिंह पटेलः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या प्राकृतिक पर्यटन स्थलों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कोई योजना चलाई जा रही है और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) मध्य प्रदेश के उक्त स्थानों को विश्वस्तरीय पहचान दिलाने के लिए क्या प्रयास किये जा रहे हैं और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) पर्यटन की दृष्टि से खरगोन बड़वानी संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत महेश्वर और मंडलेश्वर को बढ़ावा देने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) मध्य प्रदेश के पर्यटन नगरों में ध्यान केन्द्रों को विकसित करने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क): पर्यटन मंत्रालय वन्यजीवन, एडवेंचर, ग्रामीण पर्यटन आदि जैसे प्राकृतिक पर्यटक आकर्षणों के स्थानों सहित भारत का संवर्धन एक संपूर्ण गंतव्य के रूप में करता है। यह मंत्रालय "बाजार विकास सहायता सहित विदेशों में संवर्धन एवं प्रचार " (ओपीएमडी) और देश के भीतर आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन एवं प्रचार (डीपीपीएच) परियोजनाओं के माध्यम से 'अतुल्य भारत' ब्रांड लाइन के अंतर्गत चल रहे अपने कार्यकलापों के एक भाग के रूप में देश के विभिन्न पर्यटक गंतव्यों और उत्पादों के संवर्धन के लिए महत्वपूर्ण और संभावित विदेशी बाजारों में वैश्विक प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक तथा ऑनलाइन मीडिया अभियान जारी करता है। मंत्रालय की वेबसाइट (www.incredibleindia.org), सोशल मीडिया अकाउंट्स और घरेलू तथा विदेशों में स्थित भारत पर्यटन कार्यालयों के माध्यम से भी नियमित रूप से संवर्धन कार्य किया जाता है।

(ख) और (ग): इसके अतिरिक्त पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थस्थान पुनरूद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान संबंधी राष्ट्रीय मिशन' (प्रशाद) तथा केंद्रीय एजेंसियों को सहायता नामक अपनी फ्लैगशिप योजनाओं के तहत मध्य प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों

में चुनिंदा स्थलों/गंतव्यों/परिपथों में पर्यटन अवसंरचना के विकास हेतु राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। मंत्रालय ने मध्य प्रदेश में 350.67 करोड़ रू. की कुल राशि से 4 थीमेटिक परिपथों – वन्यजीवन, बौद्ध, विरासत तथा ईको परिपथ को स्वीकृति दी है। स्थलों का चयन मुख्य रूप से राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों की जिम्मेदारी है।

(घ): पर्यटन मंत्रालय ने प्रशाद योजना के अंतर्गत 94.82 करोड़ रू. की कुल राशि से ओंकारेश्वर और अमरकंटक के विकास हेतु दो परियोजनाओं को भी स्वीकृति दी है। तथापि ध्यान केंद्रों का विकास इन दोनों स्थलों में स्वीकृत संघटकों का हिस्सा नहीं है।

****